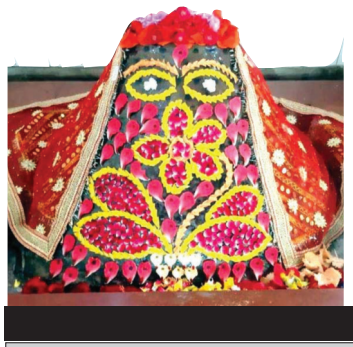

।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2080 माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी, 16 फरवरी से 29 फरवरी 2024 , 16 Feb. to 29 February 2024, • वर्ष 3 (Year-3), • अंक 54 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

कमलनाथ का मन बदलने की 5 वजहें

सोनिया-राहुल की नाराजगी से कांग्रेस हाशिए पर, सिख दंगों की रिपोर्ट, बेटे-भांजे की भी चिंता

नई दिल्ली : कांग्रेस आलाकमान ने मध्य प्रदेश के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पद से कमलनाथ को हटा दिया है। अब नए अध्यक्ष जीतू पटवारी हैं। कमलनाथ को हटाने की 5 बड़ी वजहें सामने आई हैं। देर से ही सही, लेकिन कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की सक्रिय राजनीति से 76 वर्षीय कमल नाथ को 'बेदखल' कर दिया गया है। उन्होंने खुद इस्तीफा नहीं दिया, बल्कि पार्टी ने उन्हें अध्यक्ष पद से हटा दिया। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने मध्य प्रदेश के इतिहास में पहली बार इतना बड़ा निर्णय लेते हुए अपने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को चौंका दिया है।

जीतू पटवारी को प्रदेश अध्यक्ष और उमंग सिंगार को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हेमंत कटारे को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया है। सभी युवा चेहरे हैं। हम यहां आपको 5 कारणों में बता रहे हैं कि आखिर कमल नाथ मध्य प्रदेश कांग्रेस के

संगठन से बाहर क्यों किए गए।

समन्वय नहीं बैठ पाए : साल 2018 में कमल नाथ के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए पार्टी ने सत्ता में वापसी की थी, लेकिन डेढ़ साल में ही भाजपा ने सत्ता पलट दिया। तब देखने में आया था कि कमल नाथ तत्कालीन कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ तालमेल नहीं बैठा पाए और सरकार गिर गई।

भाजपा के खिलाफ नहीं दिखी आंधी : प्रदेश में सरकार खोने के बाद भी पिछले 3 सालों के दौरान कमल नाथ कभी भी भाजपा सरकार के प्रति उग्र नहीं दिखाई दिए। जबकि चुनाव से कुछ महीने पहले ही मध्य प्रदेश में पटवारी भर्ती परीक्षा में कथित घोटाले की बात सामने आई थी, लेकिन कमल नाथ के नेतृत्व में कोई बड़ा विरोध करने में कांग्रेस नाकाम रही।

गुटबाजी नहीं रोक पाए : मध्य प्रदेश में कमल नाथ, दिग्विजय, अरुण यादव, अजय सिंह के भी अपने-अपने खेमे थे। कमल नाथ ने इन 5 साल के दौरान गुटबाजी दूर करना तो दूर उलट टिकट वितरण में दिग्विजय के कपड़े फाड़ने का बयान देकर गुटबाजी उजागर कर दी।

बेटे को स्थापित करने का मोह : कमल नाथ उस समय भी विवाद में आ गए जब उन्होंने टिकट वितरण के समय यह कह दिया कि नकुल नाथ छिंदवाड़ा की सातों विधानसभा की सीट का ऐलान करेंगे। ऐसे में पूरी कांग्रेस में यह संदेश गया की कमल नाथ अपने आप को सर्वश्रेष्ठ मानते तो है ही उसके अलावा अपने बेटे को स्थापित करने में जुटे हैं। कमल नाथ का यह बयान भी कांग्रेस से केंद्रीय नेतृत्व को खल गया।

2023 की करारी हार : कुछ दिन पहले हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई है। 230 सीटों में से पार्टी सिर्फ 66 सीटों पर सिमट गई। कई बड़े नेता चुनाव हार गए। ऐसे में हार के पीछे पूरी जिम्मेदारी कमल नाथ की मानी गई। कांग्रेस के नेताओं ने अंदर खाने कहा कि कमल नाथ ने पूरा चुनाव अपने सिर पर ले लिया था। पार्टी के अन्य नेताओं से उनका समन्वय बिल्कुल भी नहीं था।

सनातन धर्म में वसन्त पंचमी मां सरस्वती पूजा का महत्व

सनातन परम्परा में वसन्त पंचमी का महत्व अत्यधिक है। शीत ऋतु लगभग समाप्त होने को रहती है। प्रकृति सुरम्य वातावरण के आगोश में पल्लवित सुकुमित होने लगती है। चारों ओर प्राकृतिक छटा दृष्टिगोचर होती है। वृक्षों पर नवपल्लव दिखाई देने लगते हैं। आम्र वृक्षों पर बोरों की छटा वातावरण को सुरभित कर देती है। बाग, बगीचे, खेत, खलिहान लहलहाते दिखाई देते हैं। चारों ओर सुरम्य वातावरण है। ऐसे मनोहारी वातावरण में ऋतुराज वसन्त के आगमन पर सरस्वती की आराधना की जाती है। महाकवि सोहनलाल द्विवेदी अपनी कविता में लिखते हैं-

आया वसन्त आया वसन्त,
छाई जग में शोभा अनन्त।
सरसों खेतों में उठी फूल,
बोरें आमों में उठी झूल।
बेलों में फूले नये फूल,
पल में पतझड़ का हुआ अन्त।
आया बसन्त आया बसन्त,
सुन्दर लगता है घर आँगन
आया वसन्त आया वसन्त।

पौराणिक ग्रंथों के आधार पर ब्रह्माजी के प्रयास से पृथ्वी पर सरस्वती देवी का आगमन पृथ्वी पर हुआ। ग्रन्थों में कहा गया है कि ब्रह्माजी के मुख से सरस्वती का प्रादुर्भाव हुआ है। सरस्वती के आगमन के पूर्व पृथ्वी मूक थी। कहीं कोई हलचल नहीं थी। चारों ओर सन्नाटा था। सरस्वती ने अपनी वीणा के तारों को झंकृत किया। उस झंकार से पृथ्वी में धीरे-धीरे हलचल होने लगी। चारों ओर वातावरण मुखरित होने लगा। पक्षी चहचहाने लगे। मानव का संवाद प्रारंभ हुआ और सभी एक दूसरे की कुशल क्षेम पूछने लगे।

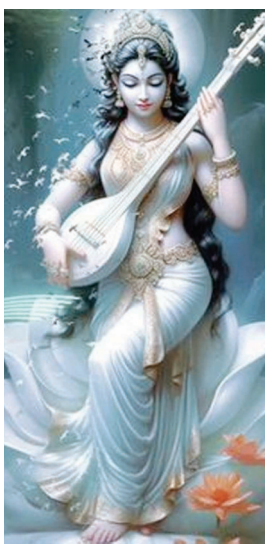

महान लेखकों, महाकवियों तथा महान विचारकों के ऊपर माँ सरस्वती की विशेष कृपा बनी रहती है। इसीलिए वे अपनी अपनी विधाओं में सम्पूर्ण विश्व में मूर्धन्य स्थान पर विराजित हैं और आज भी उनका गुणानुवाद उनके साहित्योप-ासकों द्वारा किया जाता है। विश्व में जिन जिन देशों में सरस्वती के उपासक निवास करते हैं वहाँ-वहाँ सरस्वती देवी का पूजन बड़ी श्रद्धा भक्ति के साथ किया जाता है। हमारे भारत में सभी साहित्यकार, संगीतकार तथा विद्यार्थीगण प्रतिवर्ष वसन्त पंचमी के दिन सरस्वती पूजन करते हैं। पीले वस्त्र पहनकर सरस्वती माता को पीले फूल अर्पित कर, सरस्वती वन्दना के श्लोक बोलकर, आरती करके तथा नैवेद्य लगाकर प्रसाद वितरण किया जाता है और सरस्वती से उत्तम विद्या प्राप्त करने का आशीर्वाद ग्रहण किया जाता है। संगीत शिक्ष ग्रहण करने वाले विद्यार्थी भी अपने वाद्य यंत्रों की सहायता से मधुर स्वरों में सरस्वती वन्दना श्या कुन्देदु तुषार

हार धवला या शुभ्रवस्त्रावृताद्य गाकर सरस्वती पूजन किया जाता है। हमारे यहाँ वर्तमान में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम के आरम्भ करने के पूर्व प्रमुख अतिथि तथा अध्यक्ष द्वारा सरस्वती पूजन तथा सरस्वती वन्दना करने की परम्परा आज भी विद्यमान है। लक्ष्मी पूजन में भी श्रीगणेश, श्रीलक्ष्मीजी तथा श्रीसरस्वती का पूजन करने की हमारी परम्परा पूर्वजों से चली आ रही है। लक्ष्मी पूजन के समय खरीदे गए चाँदी के सिक्कों में इन तीनों की आकृति होना अति शुभदायक माना जाता है। सरस्वती के कई नाम हैं। निम्नांकित वन्दना में बारह नाम परिलक्षित होते हैं-

प्रथमं भारती नाम,
द्वितीयं च सरस्वती।
तृतीयं शारदादेवी,
चतुर्थं हंसवाहिनी।
पंचमं जगती ख्याता,
षष्ठं वागीश्वरी तथा
सप्तमं कुमुदी प्रोक्ता
अष्टमं ब्रह्मचारिणी।
नवमं बुद्धिदात्री च
दशमं वरदायिनी
एकादशं चन्द्रकान्ति
द्वादशं भुवनेश्वरी।।
द्वादशैतानि नामानि
त्रिसन्ध्यं यरू पठेन्नररू
जिह्वागे वसते नित्यं
ब्रह्मरूपा सरस्वती।।

हमें भी इन नामों का पाठ प्रतिदिन करना चाहिए। वसन्त पंचमी विद्या की देवी सरस्वती के पूजन का दिन तो है ही इस दिन रति और कामदेव का आगमन भी पृथ्वी पर होता है। शिवजी ने कामदेव को भस्म कर दिया था किन्तु रति ने शिवजी की प्रार्थना कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तो कामदेव पुनरू अनंग रूप में जीवित हो गया। अविवाहित युवक-युवती इनकी पूजन करते हैं। सामूहिक विवाह का आयोजन कई समाज वसन्त पंचमी के दिन करते हैं। यज्ञोपवीत और नए गृह में प्रवेश के कार्यक्रम भी इसी दिन होते हैं। सगाई तथा बच्चों के नामकरण संस्कार का आयोजन भी किया जाता है। सनातन धर्म के इस पर्व को आधुनिक समय में भी विद्यालयों, शैक्षणिक संस्थाओं तथा घरों में सरस्वती वन्दना का सस्वर पाठ करके बड़े उत्साह से मनाकर पीले रंग की मिठाई का भोग लगाया जाता है। यह एक गर्व का विषय है कि इसकी अवहेलना न कर इसे सम्मानपूर्वक मनाया जाता है।

ममता सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले पेश किया लोकलुभावन राज्य बजट

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लोकलुभावन राज्य बजट पेश किया है, जिसमें भत्तों की भरमार कर सरकारी कर्मचारियों, महिलाओं, मछुआरों, कारीगरों, पुलिसकर्मियों से लेकर विभिन्न वर्गों को साधने की कोशिश की है। वित्त राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में 3,66,116 करोड़ रुपये (सात करोड़ रुपये के घाटे वाला) का बजट पेश किया। बजट में राज्य सरकार के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता (डीए) चार प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की गई है, जो आगामी मई से प्रभावी होगा। मालूम हो कि कुछ समय पहले ही डीए में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी, हालांकि केंद्र व राज्य सरकार के डीए में अभी भी 32 प्रतिशत का भारी अंतर है। 'लक्ष्मी भंडारऴ योजना के तहत सामान्य श्रेणी की महिलाओं को दिया जाने वाला मासिक भत्ता 500 रुपये से

बढ़ाकर 1,000 रुपये व अनुसूचित जाति/जनजाति श्रेणी की महिलाओं के लिए 1,000 से बढ़ाकर 1,200 रुपये किया गया है, जो आगामी अप्रैल से प्रभावी होगा। इसी तरह सिविक वालंटियर्स/विलेज पुलिस/ग्रीन पुलिस के पारिश्रमिक में भी एक हजार रुपये एवं ग्रुप 'डीऴ व 'सीऴ श्रेणी के ठेका कर्मचारियों के पारिश्रमिक में क्रमश: 3,000 व 3,500 रुपये की वृद्धि की गई है। नई 'वेस्ट बंगाल आर्टिशंस फाइनेंशियल बेनिफिट स्कीम 2024ऴ के माध्यम से कारीगर विशेष को एकमुश्त 10,000 व कारीगर के समूहों को एकमुश्त 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। बंगाल के तीन जिलों पूर्व मेदिनीपुर, उत्तर 24 परगना व दक्षिण 24 परगना जिलों के पंजीकृत मछुआरों को 'समुद्र साथीऴ योजना के जरिए वर्ष में दो महीने पांच-पांच हजार रुपये का आर्थिक सहयोग करने की घोषणा की गई है। बंगाल सरकार ने केंद्र की 100 दिनों की रोजगार योजना की तर्ज पर अपनी 50 दिनों की रोजगार योजना 'कर्मश्रीऴ शुरू करने का भी ऐलान किया है। गंगासागर जाने के लिए मूड़ी गंगा पर सेतु के निर्माण को छोड़ दिया जाए तो बजट में आधारभूत संरचना विकास को लेकर ज्यादा कुछ नहीं है। इसी तरह राज्य करों में भी बहुत रियायतें नहीं दी गई है। राजस्व संग्रह बढ़ाने के उपायों पर भी खास जोर नहीं दिख रहा है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि बजट घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए इतना पैसा आएगा कहां से? पेश बजट के अनुसार राज्य सरकार पर अभी कुल ऋण 6,30,783.50 करोड़ रुपये है, जो बढ़कर 6,93, 231.66 करोड़ रुपये हो जाएगा। सरकार बाजार से 79,727 करोड़ रुपये का ऋण लेगी। इसी तरह केंद्र सरकार से भी 9,330 करोड़ रुपये का ऋण व अग्रिम लिया जाएगा। अन्य स्रोतों से भी 2632 करोड़ का ऋण जुटाया जाएगा।

बजट भाषण के दौरान भाजपा के हंगामे पर भड़कीं ममता, कहा-

ये पार्टी का दफ्तर नहीं

कोलकाता : बंगाल विधानसभा में गुरुवार को राज्य बजट पेश करते वक्त वित्त मंत्री के बजट भाषण के दौरान सदन में विपक्षी भाजपा विधायकों की नारेबाजी और हंगामे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भड़क गईं। नाराज होकर मुख्यमंत्री ने बजट भाषण के बीच में अपनी सीट से खड़े होकर भाजपा पर जोरदार हमला बोला। ममता ने कहा कि ये कोई भाजपा का पार्टी दफ्तर नहीं है। यहां भाजपा की सियासत नहीं चलेगी। ममता ने धिक्कार जताते हुए कहा कि आप लोग बजट तक नहीं पढऩे दे रहे। क्या आपको शर्म नहीं आती? आप लोग (भाजपा) बंगाल और बंगाली विरोधी हैं। ममता ने कहा कि अगर विपक्ष के पास कोई राय है तो वे बजट पूरा होने के बाद इस पर चर्चा कर सकते हैं। उनको अपनी बात कहने की आजादी है, लेकिन यह भाजपा का पार्टी कार्यालय नहीं है, यह विधानसभा है। यह विपक्ष के लिए राजनीति करने का स्थान नहीं है। ममता ने कहा कि लोगों को यह जानने का अधिकार है कि हमारी सरकार ने क्या काम किया है। ममता ने इस हंगामे पर संसद के पिछले सत्र के दौरान 147 विपक्षी सांसदों को निलंबित करने के फैसले को भी याद दिलाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को इसको याद रखना चाहिए, लेकिन हम उस रास्ते पर नहीं जाना चाहते। हम इसका मुकाबला करेंगे। मुख्यमंत्री ने विपक्षी विधायकों को चुनौती दी कि अगर उनमें साहस है तो वो बजट पेश होने के बाद बोले, इससे पहले नहीं। ममता ने बाद में पत्रकारों से बातचीत में भी भाजपा पर अपना गुस्सा निकाला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के कुछ भाजपा नेता बंगाल को उसके हक से वंचित करने के लिए दिल्ली में केंद्रीय नेताओं की दरबारी करते हैं।

मछुआरों के लिए समुद्र साथी योजना की घोषणा,करीब दो लाख मछुआरे होंगे लाभांवित

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल में मछुआरों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए राज्य के बजट में उनके लिए विशेष योजना समुद्रसाथी की घोषणा की गई है। वित्त राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सदन में बजट पेश करने के दौरान कहा कि अप्रैल से मध्य जून तक मछुआरों को मौसम के मिजाज को देखते हुए समुद्र में जाने की अनुमति नहीं दी जाती है, जिसका असर उनकी आजीविका पर पड़ता है। इस वजह से उन्हें रोजी-रोटी जुटाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार की इस योजना के तहत प्रत्येक मछुआरों को हर साल दो महीने के लिए पांच-पांच हजार रुपये दिए जाएंगे। इससे राज्य के तटवर्ती जिलों के लगभग दो लाख मछुआरे लाभांवित होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि इसके लिए बजट में 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि तटीय जिलों विशेष रूप से पूर्व मेदिनीपुर, उत्तर और दक्षिण 24 परगना के मछुआरे इससे लाभांवित होंगे। इन जिलों के मछुआरों को हर साल अप्रैल से जून तक अपनी आजीविका में विभिन्न बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इसी को ध्यान में रखते हुए समुद्रसाथी योजना बनाई गई है। इस योजना के तहत इन तीन जिलों के प्रत्येक पंजीकृत मछुआरों को दो महीने के लिए पांच-पांच हजार रुपये मिलेंगे।

गंगासागर जाने के लिए मूड़ीगंगा नदी पर सेतु बनाएगी बंगाल सरकार

राज्य बजट में की गई घोषणा, सेतु के निर्माण पर खर्च होंगे 1,200 करोड़

सोनू झा, कोलकाता : लोकसभा चुनाव से पहले बंगाल की ममता बनर्जी सरकार द्वारा विधानसभा में पेश लोकलुभावन राज्य बजट में एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई। गंगासागर जाने के लिए रास्ते में पड़ने वाली मूड़ीगंगा नदी पर राज्य सरकार सेतु (ब्रिज) बनाएगी। मूड़ीगंगा पर लाट नंबर-8 और कचूबेरिया के बीच 3.1 किलोमीटर लंबा यह सेतु बनेगा। इस सेतु के बन जाने से लोग कोलकाता से सीधे सड़क मार्ग से गंगासागर पहुंच सकेंगे। देशभर से पुण्य स्नान के लिए गंगासागर जाने वाले तीर्थयात्रियों को लांच (जहाज) से नदी पार करने का झंझट नहीं होगा, जिसके चलते मकर संक्रांति के समय लोगों को भीड़ में घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। सेतु के निर्माण पर 1,200 करोड़

रुपये खर्च होंगे। बजट में गंगासागर सेतु के लिए पहली किस्त के तौर पर 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। बजट पेश होने के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की कि इसे गंगासागर सेतु नाम दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस सेतु के बन जाने से लोगों को काफी सहूलियत होगी। ममता ने आरोप लगाया कि केंद्र से यह ब्रिज बनाने के लिए बार-बार अनुरोध के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया। इसलिए उनकी सरकार ने गंगासागर जाने के रास्ते में ब्रिज बनाने का निर्णय लिया है।

ममता ने की घोषणा, राज्य सरकार छात्रों के लिए लाएगी नई योजना योग्यश्री

सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए है योजना, 700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

हावड़ा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हावड़ा के सांतरागाछी में सरकारी प्रशासनिक बैठक के मंच से शिक्षा से जुड़ी नई योजना योग्यश्री लाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना उन लोगों के लिए है जो सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं।मुख्यमंत्री ने हावड़ा में इस दिन जिले के विकास की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उन्होंने छात्रों के लिए एक सराहनीय परियोजना बनाई है। यह योजना उन छात्रों को ध्यान में रखकर बनाई गई है जो आ-इएएस, आइपीएस, डब्ल्यूबीसीएस बनना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में इसके प्रशिक्षण के लिए फिलहाल अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए केवल 51 केंद्र बनाए गए हैं, लेकिन बाद में सरकार की योजना

सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए भी 50 केंद्र बनाने की है। इसके लिए उन्होंने मुख्यसचिव को निर्देश दिया है। हालांकि मुख्यमंत्री ने योजना की विस्तृत जानकारी नहीं दी। ममता बनर्जी ने इस दिन हावड़ा जिले में लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। जिसमें जल और सडक़ परिवहन प्रणाली का विकास, नए फायर स्टेशन का निर्माण, तीन विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण, शिबपुर घाट का सौंदर्यीकरण, हुगली और रूपनारायण नदी तट का सौंदर्यीकरण, हावड़ा जिला अस्पताल में सीसीयू बेड, आमता ग्रामीण अस्पताल में 240 नए बेड खोलना शामिल है। इसके अलावा झाडग़्राम, पुरुलिया, डायमंड हार्बर और सिलीगुड़ी में कम किराए के आवास, बशीरहाट और सागर दत्त मेडिकल कालेज अस्पताल में रैन बसेरे स्थापित करना शामिल है।

जैसे मां-बहनें परिवार चलाती हैं, वैसे मैं सरकार चलाती हूं : ममता

सांतरागाछी बस टर्मिनल पर सभा में मुख्यमंत्री ने फिर केंद्र पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब मेरा बकाया पैसा रुक जाता है तो मैं उसी तरह सरकार चलाती हूं जैसे मेरी मां और बहन परिवार चलाती हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे बुखार भी है। इसके बावजूद मैंने यह कार्यक्रम रद नहीं किया। आपके पास आने के बाद मेरा बुखार उतर गया। मैं ठीक हो गई हूं। मैं अभावों से लडक़र जीती हूं।

बंगाल में आंगनबाड़ी के 35 हजार रिक्त पदों पर नियुक्ति जल्द : मंत्री

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : केंद्र सरकार की नई गाइड लाइन के तहत जल्द ही बंगाल में आंगनबाड़ी के 35 हजार से अधिक रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जाएगी। शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल में राज्य की महिला व बाल विकास मंत्री डा शशि पांजा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल एक लाख 19 हजार 481 आंगनबाड़ी केंद्र है। इनमें 21 हजार 492 कामगार (वर्कर) एवं 13 हजार 906 सहायिका के पद रिक्त हैं। रिक्तियों को भरने के लिए प्रत्येक जिले में एक कमेटी बनाई गई है। मंत्री ने सदन को बताया कि केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन की वजह से हमें परेशानी हो रही है, क्योंकि पहले सहायक पद के लिए आठवीं उत्तीर्ण एवं कामगार के लिए 12वीं पास होना अनिवार्य था। अब उक्त दोनों पदों पर 12वीं पास उम्मीदवारों को ही नियुक्त किया जाएगा। आंगनबाड़ी में बच्चों को पढ़ाने वाली महिलाओं को वर्कर (सेविका) पद पर नियुक्त किया जाता है, जबकि खाना पकाने वाली महिला को सहायिका के रूप में कार्य करना पड़ता है। मंत्री ने बताया कि अब नई गाइडलाइन में दोनों पदों के लिए शिक्षा के स्तर को समान कर दिया गया है। यानी दोनों पदों पर कार्य करने वाली महिलाओं के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। उन्होंने सवाल किया कि ऐसे समान शिक्षा वाले लोग क्यों अलग-अलग कार्य करेंगे? उन्होंने चिंता जताई कि केंद्र सरकार के इस गाइडलाइन से कर्मियों के बीच तालमेल का अभाव दिख सकता है। मंत्री ने आगे बताया कि पुराने गाइडलाइन के अनुसार, 18 से 45 वर्ष की महिलाओं को इसमें नियुक्त किया जाता था, पर अब 18 से 35 वर्षीय महिलाओं को ही नियुक्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र में छोटे बच्चों, प्रसूता महिलाएं और कुपोषण की शिकार महिलाओं व बच्चों को भोजन कराया जाता है, पर उनके खानपान के लिए भी केंद्र की ओर से उचित फंड आवंटित नहीं किया जा रहा है।

दो बीइओ,दो एचएम पर के के पाठक की गिरी गाज

मधुबनी : शिक्षा विभाग के अपर सचिव के के पाठक मधुबनी के दो दिवसीय दौरे पर रहे । इस दौरान जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारियों में दिन भर हरकंप मचा रहा । के के पाठक मधुबनी जिला मुख्यालय के शिव गंगा बालिका उच्च विद्यालय का निरीक्षण किए वहीं बेनीपट्टी प्रखंड के अरेर में राजकीय बुनियादी विद्यालय का निरीक्षण किया । जिसके बाद भड़क गए और विद्यालय के और बरीय शिक्षक के वेतन पर अगले आदेश तक केलिए रोक लगाने का निर्देश दिया । बेनीपट्टी प्रखंड के एनप-ीएस विद्यालय का भी निरीक्षण किया यहां भी खामियां मिलने पर एचएम के वेतन काटने का निर्देश दिया । बीईओ के वेतन भी रोकने का निर्देश दिया । इतनही नही बेनीपट्टी प्रखंड के दोनो विद्यालय के एचएम और बीईओ के वेतन काटकर विद्यालय के चहारदीवारी निर्माण का निर्देश दिया । वहीं जरैल व बेतौना में ग्रामीणों ने रोक कर विद्यालय की व्यवस्थाओं का शिकायत किया । के के पाठक मधवापुर के एसएनजे उच्च विद्यालय, बुनियादी विद्यालय सलेमपुर और राजकीय विद्यालय डोम टोल बसावरिया का निरीक्षण कर खामियां पाकर बिफर पड़े जिसके बाद मधवापुर के बीईओ के नेतन भी अगले आदेश तक रोक लगाने का निर्देश दिया । के के पाठक के साथ कई विद्यालयों में छात्र छात्राओं ने सेल्फीली वहीं कई जगहों में लोगों ने फर्जी प्रमाण पत्र पर शिक्षक नियुक्त होने की भी शिकायत की । के के पाठक ने निरीक्षण के वक्त खामियां मिलने वाले विद्यालयों में व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दी साथही केके पाठक ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा की जल्द ही प्राथमिक विद्यालय केलिए 50 हजार ,माध्यमिक विद्यालय केलिए 50 हजार शिक्षको की बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। के के पाठक के जिले में विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारियों काफी खौफ में दिखे । जिले के सभी अधिकारी मुस्तैद दिखे इस दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी राजेश कुमार, डीपीओ स्थापना , जावेद आलम, डीपीओ सर्व शिक्षा, शुभम कसोधन, डीपीओ एमडीएम, मणिभूषण कुमार , डीपीओ लेखा एवम योजना कुंदन कुमार शिक्षा विभाग के कर्मी राजीव कुमार झा सहित कई अधिकारी कर्मी मौजूद थें ।

स्मारक गेट का हुआ शिलान्यास

स्वामी विवेकानंद नाव से हावड़ा के रामकृष्णापुर गंगा घाट पहुंचे थे और यहां से पैदल एक कार्यक्रम में भाग लेने गये थे। इसी को ध्यान में रखते हुए 125 वर्षों के बाद हावड़ा के रामकृष्णापुर गंगा घाट स्थित फरसा रोड पर उनकी याद में एक गेट का निर्माण किया जा रहा है जिसका विधिवत उद्घाटन बेलूर मठ के महाराज स्वामी सुविरानंद जी महाराज व राज्य के फूड प्रोसेसिंग मंत्री अरुप राय के नेतृत्व में किया गया ।आने वाले कुछ महीनो में यह बनाकर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। इसका निर्माण करुणा फाउंडेशन और स्वामी जी स्मृति संघ की ओर से किया जायेगा। इस कार्यक्रम में उपस्थित थे हावड़ा के अन्य विशिष्ट व्यक्तगण।

वीरता पदक से नवाजे गए पूर्वी कमान के 20 सैनिक

आरके झा, कोलकाता : सेना के पूर्वी कमान ने शनिवार को अपने वार्षिक अलंकरण समारोह में मातृभूमि की रक्षा में अदम्य वीरता, कर्तव्य के प्रति समर्पण व विशिष्ट सेवा के लिए अपने कुल 26 जांबाज सैनिकों व अधिकारियों को वीरता व अन्य पदक प्रदान किए। इनमें कर्तव्यों के प्रति असाधारण समर्पण व जान हथेली पर रखकर आतंकियों और उग्रवादियों के मंसूबे नाकाम करने वाले 20 जांबाजों को सेना वीरता पदक से नवाजा गया। इसके अलावा दो को सेना पदक (प्रतिष्ठित) और चार अधिकारियों को विशिष्ट सेवा मेडल (वीएसएम) प्रदान किए गए। उत्तर बंगाल के बेंगडुबी मिलिट्री स्टेशन में आयोजित इस भव्य अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि पूर्वी कमान के कमांडर (जनरल आफिसर कमांडिंग- इन- चीफ) लेफ्टिनेंट जनरल रामचंद्र तिवारी ने ये पदक प्रदान किए। पूर्वी कमान ने एक बयान में बताया कि इस मौके पर दो यूनिटों को सेना प्रमुख प्रशंसा पत्र जबकि 32 यूनिटों/ बटालियनों को आर्मी कमांडर प्रशंसा पत्र से भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने 2022 में पूरे वर्ष के दौरान सराहनीय प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पूर्वी आर्मी कमांडर ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनसे इसी तरह अपना सर्वश्रेष्ठ देने और भारतीय सेना की उच्च परंपराओं और मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। समारोह में बड़ी संख्या में सैन्यकर्मी, वरिष्ठ अधिकारीगण अन्य गणमान्य लोग, स्कूल-कालेजों के छात्र और पुरस्कार विजेताओं के परिवार के लोग शामिल हुए।

दूसरी बार कोलकाता के बाहर आयोजित हुआ अलंकरण समारोह : बताते चलें कि हर साल अलंकरण समारोह के जरिए भारतीय सेना देश की रक्षा में अदम्य वीरता का परिचय देने वाले अपने सैनिकों व अधिकारियों को सम्मानित करती है। आम तौर पर हर साल कोलकाता के फोर्ट विलियम स्थित पूर्वी कमान मुख्यालय में ही यह समारोह आयोजित किया जाता रहा है। लेकिन, लगातार दूसरा साल है जब इसका आयोजन कोलकाता के बाहर हुआ है।

हाई कोर्ट के निर्देश पर पीएफ भ्रष्टाचार मामले में एफआइआर दर्ज

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय के निर्देश पर फर्जी निदेशक नियुक्त कर पीएफ भ्रष्टाचार मामले में एफआइआर दर्ज की गई। इस दिन न्यायाधीश ने एफआइआर दर्ज नहीं होने पर हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के प्रभारी को तलब किया था। निर्देश के तुरंत बाद एफआइआर दर्ज की गई। कई सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने डेल्टा लिमिटेड और ओलिसा रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड नामक दो कंपनियों के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया है। उनकी शिकायत है कि कंपनियां उन्हें उनका उचित भविष्य निधि नहीं दे रही हैं। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने इस मामले में दोनों कंपनियों के पांच निदेशकों को तलब किया था। उन्होंने गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआइओ) को पांचों लोगों से पूछताछ करने का निर्देश दिया। एसएफआइओ के वकील सौविक नंदी ने अदालत को बताया कि उनके अधिकारी दोपहर दो बजे हेयर स्ट्रीट पुलिस स्टेशन गए थे। थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशों की प्रतियों और उच्च अधिकारियों की अनुमति पर विचार किया जाएगा। इसके बाद जस्टिस गंगोपाध्याय ने उस थाने के ओसी को तलब किया। उनके निर्देश के कुछ ही देर बाद एसएफआइओ के वकील को उनके फोन पर एक संदेश मिला। वकील ने जज को बताया कि एफआइआर दर्ज हो गई है। जज ने आदेश दिया कि चार्जशीट और एफआइआर की कापी तुरंत ईडी को दी जाए। उनके मिलते ही ईडी को जांच शुरू करनी होगी। ईडी की ओर से धीरज त्रिवेदी वकील थे। जस्टिस गंगोपाध्याय की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। रात्रि 10:00 बजे तक उनकी अदालत बैठी रही। उन्होंने एसएफआइओ से दोपहर तीन बजे तक रिपोर्ट देने को कहा।

कोलकाता आयेंगे योगी तो करेंगे घेराव: सद्दीकुल्ला

राज्य ब्यूरो,कोलकाता : जमीयत उलेमा-ए-हिंद के बंगाल अध्यक्ष व ममता सरकार में पुस्ताकलय मंत्री सद्दीकुल्ला चौधरी ने ज्ञानवापी में पूजा-पाठ बंद करने की मांग की है। उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर योगी कोलकाता आए तो उन्हें निकलने नहीं देंगे।

सिद्दीकुल्ला ने कहा कि योगी आदित्यनाथ अगर कोलकाता आते हैं तो वे और उनका संगठन उनका घेराव करेगा। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी में चल रहा पूजा पाठ तुरंत बंद होना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो वो इसका बड़ा विरोध करेंगे। चौधरी पहले भी कई मौके पर विवादों में रह चुके हैं। बीते साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच जंग को लेकर मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने फिलिस्तीन के समर्थन में कोलकाता में विरोध मार्च भी निकाला था। विरोध मार्च के बाद, जमीयत के द्वारा एक रैली भी आयोजित की गई थी जिसमें सिद्दीकुल्ला ने इजरायल का समर्थन करने को लेकर पीएम मोदी पर सवाल उठाया था। इससे पहले 2019 में बांग्लादेश सरकार ने सिद्दीकुल्ला चौधरी को वीजा देने से इन्कार कर दिया था। सिद्दीकुल्ला को कुछ व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं में भाग लेने के अलावा बांग्लादेश के सिलहट में एक मदरसे के शताब्दी समारोह में भाग लेना था लेकिन, उन्हें वापस लौटना पड़ा था।

बंगाल की जेलों में महिला कैदी हो रही हैं गर्भवती

कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक मामले को आपराधिक खंडपीठ को स्थानांतरित करने का आदेश दिया, जिसमें न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) ने दावा किया है कि बंगाल के सुधार गृहों में बंद कुछ महिला कैदी गर्भवती हो रही हैं और 196 बच्चे अलग-अलग सुधार गृहों में रह रहे हैं। वकील तापस कुमार भंज, जिन्हें जेलों में भीड़भाड़ पर 2018 के स्वत: संज्ञान मामले में अदालत द्वारा न्याय मित्र नियुक्त किया गया था, ने कुछ जेलों का दौरा कर मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम व न्यायमूर्ति सुप्रतिम भट्टाचार्य की खंडपीठ के समक्ष इन मुद्दों और सुझावों वाला एक नोट प्रस्तुत किया। इसमें कहा गया है कि महिला कैदी हिरासत में गर्भवती हो रही हैं। बंगाल की विभिन्न जेलों में लगभग 196 बच्चे रह रहे हैं। भंज ने सुधार गृहों के पुरुष कर्मचारियों के महिला कैदियों के बाड़ों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया। पीठ ने कहा कि नोट कुछ गंभीर मुद्दों की ओर इशारा करता है। इसकी एक प्रति राज्य के महाधिवक्ता के कार्यालय में भेज दी गई है। अदालत ने निर्देश दिया कि इन सभी मामलों पर प्रभावी निर्णय लेने के लिए हम इसे उचित मानते हैं कि मामले को आपराधिक रोस्टर निर्धारण वाली डिवीजन बेंच के समक्ष रखा जाना चाहिए। उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने वर्ष 2018 में राज्य में सुधार गृहों में भीड़भाड़ पर स्वत: संज्ञान लेते हुए एक मामला दायर किया था। कुछ संबंधित मामले जो पहले और बाद में दायर किए गए थे उन्हें भी इस मामले के साथ जोड़ा गया गया।

शक्ति कपूर की बेटी श्रद्धा कपूर रचाएंगी इस साल शादी

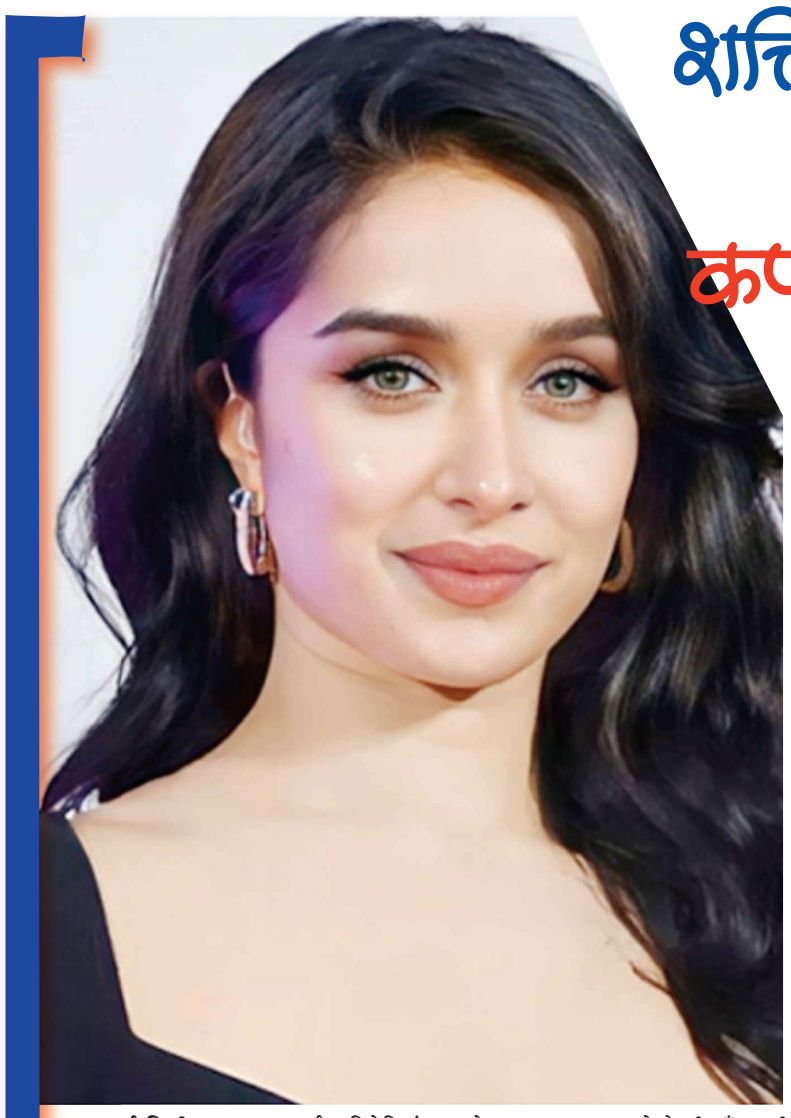

नई दिल्ली : इस साल कई अभिनेत्रियां शादी के बंधन में बंध गई है। हाल ही में बॉलीवुड में एक और शादी होने जा रही है। आमिर के बाद अब शक्ति कपूर की बेटी की विदाई होगी। आर्पको बता दें 36 साल की श्रद्धा कपूर शादी के बंधन में बंधने जा रही है। दरअसल, श्रद्धा ने शर्माते हुए फैन्स को सुनाई अपने शुभ विवाह की खबर। अब इन बातों को सुन आपके मन में भी एक्साइटमेंट तो जरूर आ गयी होगी आखिर ये खबर ही कुछ ऐसी जो है एक और जहाँ बॉलीवुड में वेडिंग का सीज़न चल रहा है और एक के बाद एक स्टार्स शादी के बंधन में बंध रहे हैं तो अब ऐसा लग रहा है कि बी टाउन के दिग्गज विलन ऐक्टर शक्ति कपूर के घर में भी शादी की शहनाइयां बजने वाली है। आखिर ऐसा कहना उन्हीं की लाडली बेटी और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का जो है जी हाँ अपनी शादी का जिक्र कुछ श्रद्धा ने ही कर दिया है वो भी अपने सोशल मीडिया के जरिये दरअसल श्रद्धा कपूर ने अपने ऑफिसियल इंस्टा अकाउंट से लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरों को शेयर किया है जिनमें एक्ट्रेस पीच कलर की बेहद ही खूबसूरत और डिजाइनर अनारकली सूट में नजर आ रही है अपने लुक को एक्ट्रेस ने माथे पर छोटी सी बिंदी और कानों में हेवी झुमके पहनकर पूरा किया। अपनी इन पिक्चर्स को शेयर कर श्रद्धा ने शादी का जिक्र करते हुए कैप्शन में लिखा अच्छी लग रही हूँ शादी कर लू क्या साथ ही उन्होंने एक नॉटी फेस वाली इमोजी को भी शेयर किया अब श्रद्धा ने तो भले ही मस्ती और बातों बातों में अपनी शादी की बात जमाने के आगे कही हो लेकिन उनके फैन्स ने तो इस बात को गुड न्यूज़ समझ लिया है तभी तो ऐक्टर्स के इस पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक के बाद एक लोग उनसे उनके दूल्हे को लेकर और शादी की तारीख तक को लेकर सवाल पूछने लगे।

एक फैन ने कमेंट कर कहा आपके लिए अपने भाई का रिश्ता भेज दूँ क्या तो एक और फैन है कमेंट किया मैडम दूल्हा कौन है एक यूजर है कमेंट सेक्शन में लिखा वेडिंग डेट बता दो मुझे कपड़े तैयार करवाने है लोगों के ऐसे कमेंट्स देने की बात तो साफ ज़ाहिर हो रही है की एक्ट्रेस का पोस्ट देख वो इसे उनकी शादी का ही हिंट मान रहे हैं हालांकि श्रद्धा सच में शादी करने जा रही है या ये पोस्ट उन्होंने सिर्फ मस्ती करने के लिए किया है ये तो वही बेहतर जानती होंगी।

वही आपको बता दें कि श्रद्धा ने भले ही अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर कभी खुलकर बात ना की हो लेकिन गॉसिप्स के गलियारों में उनकी डेटिंग के चर्चे खूब छाये रहते हैं अभी कुछ वक्त पहले ही ऐसी खबरें सामने आई थी कि श्रद्धा अपने फ़िल्म तू झूठी मैं मक्कार के राइटर राहुल मोदी के साथ रिलेशनशिप में हैं बीते साल जब जुलाई के महीने में श्रद्धा और राहुल को मुंबई में डिनर डेट के लिए देखा गया था तब इन दोनों के अफेयर की अफवाहें उड़ी थीं वहीं इससे पहले श्रद्धा पिछले 4 साल से मशहूर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ को डेट कर रही थी। दोनों ने कभी अपने रिश्ते को ऑफिशियली नहीं किया था लेकिन अक्सर दोनों को साथ में वेकेशन पर जाते हुए देखा जाता था लेकिन फिर पिछले साल दोनों ने ब्रेकअप कर लिया था। हालांकि इस मुद्दे पर कुछ खुलकर नहीं कहा गया।

हावड़ा के हेरिटेज एकेडमी हाई स्कूल में धूमधाम से की गयी विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना ।

चाणक्य पब्लिक स्कूल का वार्षिक खेलकूद

धर्मवीर कुमार सिंह : सभी के जीवन में चाहे वो विद्यार्थी हो या अन्य लोग खेल-कूद का होना अधिक महत्वपूर्ण है। चाणक्य पब्लिक स्कूल ने गोबर इलाके के नैति फुटबॉल खेलार माठ में वार्षिक खेलकूद दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सीमा माखाल डानकुनी म्युनिसिपालिटी के पांच नंबर वार्ड पार्षद और पूर्व पार्षद गैराम माखाल उपस्थित थे। स्कूल के प्रिंसिपल रूपेश ठाकुर ने बताया की छात्रों के लिए उनके जीवन में खेलकूद का एक अलग महत्व है। आज के समय में शिक्षा और खेलकूद दोनों ही काफी जरूरी है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा एक्टिविटी में इसको भी महत्व देना चाहिए। बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलकूद बहुत जरूरी है। स्कूल के सभी कक्षाओं के छात्रों ने खेल प्रतियोगिताओं में उत्साह पूर्वक भाग लिया इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के सीनियर और जूनियर छात्रों द्वारा खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें बच्चों ने भाग लिया और कार्यक्रम के अंत में जो बच्चे अच्छा प्रदर्शन किए थे उन्हें पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार में पदक और उपहार बच्चों को दिया गया। खेल शिक्षक रणजीत चौहान ने बताया कि बच्चे प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किए है। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य रूप से संगीता राव, अनुपम पाल, अभिरूप दत्ता, सोहिनी हाथी के अलावा स्कूल के अन्य शिक्षकों का भी विशेष योगदान रहा।

पक्षियों की तरह क्यों नहीं उड़ पाते इंसान?

नई दिल्ली : जब बच्चे पहली बार पक्षियों को देखते हैं तो वो इस बात से काफी प्रभावित होते हैं कि पक्षी उड़ते हैं। ऐसे में उनका एक प्रश्न अपने माता-पिता से होता है कि हम पक्षियों की तरह क्यों नहीं उड़ पाते? अगर आपने भी अपने बचपन में इस बात को कभी अपने माता-पिता से पूछा है और अभी तक इस सवाल का जवाब नहीं जान पाए हैं तो आज हम बात कर रहे हैं इंसान और पक्षियों के उड़ान के बारे में। इंसान इस तरह से डिजाइन ही नहीं हुए हैं कि वो अपने हाथों को पंख की तरह फड़फड़ाकर उड़ सकें। हमारे हाथ इतना लिफ्ट ही नहीं पैदा कर पाते जो ग्रैविटी के फोर्स को काटकर हमें ऊपर उठा सकें। असल में सिर्फ पंख होने से पक्षी नहीं उड़ते, पंख एक बड़ा कारक है, पर सच तो ये है कि उनका हल्का शरीर, खोखली हड्डियां, उन्हें उड़ने में मदद करती हैं। पक्षियों के शरीर में एयर सैक होते हैं जो उनके शरीर को हल्का बनाते हैं, इस तरह वो हवा में आसानी से उड़ जाते हैं। उड़ते वक्त उनके शरीर का जो आकार होता है, वो हवा के रेजिस्टेंस को कम करने का काम करता है। उनकी मसल्स काफी शक्तिशाली होती हैं। पक्षियों के फेफड़ भी अलग तरह से डिजाइन होते हैं। जब वो एक बार सांस लेती हैं, तो काफी ज्यादा मात्रा में प्राणवायु यानी ऑक्सीजन ग्रहण कर लेती हैं। इस तरह उनकी मांसपेशियां लंबे वक्त तक काम करती रहती हैं। पक्षियों के पंख में हवा फंस जाती है, जिस वजह से उन्हें लिफ्ट मिलने में भी आसानी होती है।

स्वत्वाधिकारी ***'बात हिन्दुस्तान की'*** *(पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-* ***उमेश तिवारी,*** *फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उतरदायी , ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 8902221434 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)